NEW ERA AGRICULTURE MAGAZINE

मशरुम की खेती के लिये बिहार में सरकारी अनुदान

आशुतोष कुमार, रवि रंजन कुमार , सुधांशू कुमार

परिचय -

भारत में किसानों की आमदनी को दोगुना करने के लिये नये-नये प्रयास किये जा रहे हैं| खासकर खेती की लागत को कम करके फसलों से बेहतर उत्पादन लेने के लिये किसानों को सब्सिडी या आर्थिक अनुदान (Agriculture Subsidy Schemes) भी दिया जाता है इससे किसानों के ऊपर खर्च का बोझ भी नहीं पड़ता और मुनाफा बढ़ाने में भी मदद मिलती है| पिछले दिनों खेती-किसानी के साथ-साथ मशरूम उत्पादन (Subsidy on Mushroom Cultivation) को काफी प्रोत्साहित किया जा रहा है|बाजार में बढ़ती मांग के चलते मशरूम की खेती (Mushroom Cultivation) करके किसान अतिरिक्त आमदनी कमा लेते हैं| बिहार सरकार भी किसानों के इस काम में खास योगदान दे रही है, दरअसल एकीकृत बागवानी विकास योजना (Mission for Integrated Development of Horticulture- MIDH) के तहत किसानों को मशरूम की खेती के लिये 10 लाख तक का अनुदान दिया जा रहा है |

❖ **मशरूम की खेती पर सब्सिडी:-**

बिहार सरकार के कृषि विभाग, उद्यान निदेशालय (Bihar Agriculture Department, Directorate of Horticulture) द्वाराएकीकृत बागवानी विकास मिशन (Mission for Integrated Development of Horticulture, India) के तहत मशरूम की खेती पर सब्सिडी का लाभ लेने के लिये बिहार कृषि विभाग, उद्यान निदेशालय की आधिकारिक वेबसाइट http://horticulture.bihar.gov.in/ पर आवेदन किया जाता है| किसान चाहें तो इस योजना (Mushroom Subsidy Scheme) से संबंधित अधिक जानकारी प्रार्त करने के लिये नजदीकी जिले के उद्यान विभाग के कार्यलय में जाकर सहायक निदेशक से भी संपर्क कर सकते है| एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत किसानों को 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है. इस योजना के तहत मशरूम उत्पादन इकाई (Mushroom Production Unit) की कुल लागत 20 लाख रुपये निर्धारित की गई हैइस लागत का 50 प्रतिशत खर्च यानी 10 लाख रुपये राज्य सरकार द्वारा

आशुतोष कुमार (शोध छात्र), श्री दुर्गा जी स्नातकोत्तर महाविद्यालय चंडेश्वर आजमगढ़ (यूपी)
रवि रंजन कुमार (बीएससी एजी) मदन मोहन मालवीय पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, कालाकांकर, प्रतापगढ़ (यूपी)
सुधांशू कुमार (बीएससी एजी) मदन मोहन मालवीय पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, कालाकांकर, प्रतापगढ़ (यूपी)

वहन किये जायेंगे और लाभार्थी किसानों को 10 लाख तक की सब्सिडी दी जायेगी|

❖ **मशरुम के फायदे:-**

मशरूम एक ऐसी खास सब्जी है जिसका स्वाद किसी भी व्यंजन में जाता है उसे लाजवाब बना देता है| मशरूम का टेक्सचर बहुत ही मुलायम होता है, जब इसे तेल और मसाले में पकाया जाता है, यह उस तेल और मसाले का स्वाद अच्छेसे सोख लेता है| मशरूम को किसी भी खाना के साथ जोड़ा जा सकता है जैसे पिज़्ज़ा, पास्ता, सलाद, सूप आदि में. स्वादिष्ट के साथ-साथ इसमें भरपूर पोषक तत्त्व भी पाएं जाए जाते हैं|जैसे की विटामिन, मिनरल्स और अंतिओक्सीडेंट्स |यह हमारी प्रतिरोधक प्रणाली को मजबूती प्रदान करता है और कई बीमारियों से बचाव में भी मदद करता है|

- **शरीर के प्रतिरोधक प्रणाली मजबूत-** मशरूम शरीर की प्रतिरोधक प्रणाली को मजबूती प्रदान करने में सहायक है|

इसमें ऐसे यौगिक होते हैं जो हमारे शरीर को बीमारियों से लड़ने की क्षमता प्रदान करते हैं| मशरूम विशेष रूप से इम्यूनिटी बढ़ाने में उपयोगी होते हैं| इस प्रकार, मशरूम का सेवन शरीर को बाहरी संक्रमण से बचाव में मदद कर सकता है|

- **हृदय के लिए फायदेमंद-** मशरूम हृदय के लिए फायदेमंद है, क्योंकि इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व जैसे कि पोटैशियम, नाइयासिन और फाइबर हृदय की सही प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं| पोटैशियम रक्त दाब को नियंत्रित करने में मदद करता है, जो हृदय रोग की संभावना को कम करता है|

- **वजन नियंत्रण-** मशरूम में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जो पाचन में मदद करता है और ज्यादा समय तक पेट में भरपूर महसूस होने की वजह से आपको ज्यादा खाने से रोकता है| मशरूम कम कैलोरी, वसा और सोडियम में होते हैं और उच्च प्रोटीन में होते हैं जो वजन नियंत्रण में मदद करते हैं|

- **डायबिटीज मरीजों के लिए फायदेमंद-** मशरूम में इंसुलिन-लाइक प्रॉपर्टीज़ होती हैं जो ब्लडशुगर को नियंत्रित करने में मदद करती हैं| इसमें कम कैलोरी और कम कार्बोहाइड्रेट में होता है, जिससे रक्त शर्करा का स्तर संतुलित रहता है| मशरूम में फाइबर की उचित मात्रा भी होती है, जिससे पेट जल्दी भरता है और शर्करा की धीरे धीरे रिहाई होती है, जिससे रक्त शर्करा के उछाल को रोका जा सकता है| इसके अलावा, मशरूम में एंटीऑक्सीडेंट प्रॉपर्टीज भी होती हैं, जोडायबिटीज के संबंधित जोखिम को कम कर सकते हैं|

❖ **मुशरूम उत्पादन में अग्रणी रहा बिहार:-**

मशरूम उत्पादन के मामले में बिहार के नाम बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है| बिहार (Bihar) देश में सबसे बड़ा मशरूम उत्पादक राज्य बना है| देश के कुल मशरूम उत्पादन (Mushroom Production) में बिहार दस प्रतिशत का योगदान देता है. राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड के जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार बिहार में 2021-22 में 28,000 टन से ज्यादा मशरूम उत्पादन हुआ है|

इस खबर के बाद जहां कृषि विभाग में खुशी देखी जा रही है वहीं मशरूम उत्पादक किसानों की मेहनत भी रंग लाई है| एक अनुमान के मुताबिक पूर्वोत्तर राज्यों में बिहार के मशरूम की सबसे ज्यादा मांग है| इसके अलावा झारखंड और उत्तर प्रदेश में भी यहां के मशरूम की डिमांड है|

दरअसल कोरोना काल में मशरूम उत्पादकों को प्रोडक्ट बाहर भेजने में परेशानी आयी थी और उत्पादकों को भी काफी घाटा सहना पड़ा था. जो मशरूम पहले 150 से 180 रुपये बिकता था कोरोना काल में उसे 100 से 125 रुपये किलो बेचना पड़ा था| राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के मशरूम वैज्ञानिक दयाराम की मानें तो बिहार में दो तरह के लोग मशरूम उत्पादन कर रहे हैं| करीब तीन दर्जन उद्यमी के रूप में कंट्रोल इन्वायरमेंट में बटन मशरूम का उत्पादन कर रहे हैं, जिससे 100 से अधिक लोग रोजाना रोजगार पा रहे हैं|

वहीं दूसरे 60 हजार से अधिक छोटे किसान बटन, ऑएस्टर और दूधिया मशरूम का उत्पादन कर अपनी आजीविकाचला रहे हैं| इसमें जेल में प्रशिक्षण लेने के बाद सजा काटकर घर पहुंचे लोग भी शामिल हैं|मशरूम उत्पादन में बिहार ने ओडिशा को पीछे छोड़ दिया है| ओडिशा में भी बड़े पैमाने पर मशरूम का उत्पादन होता है |